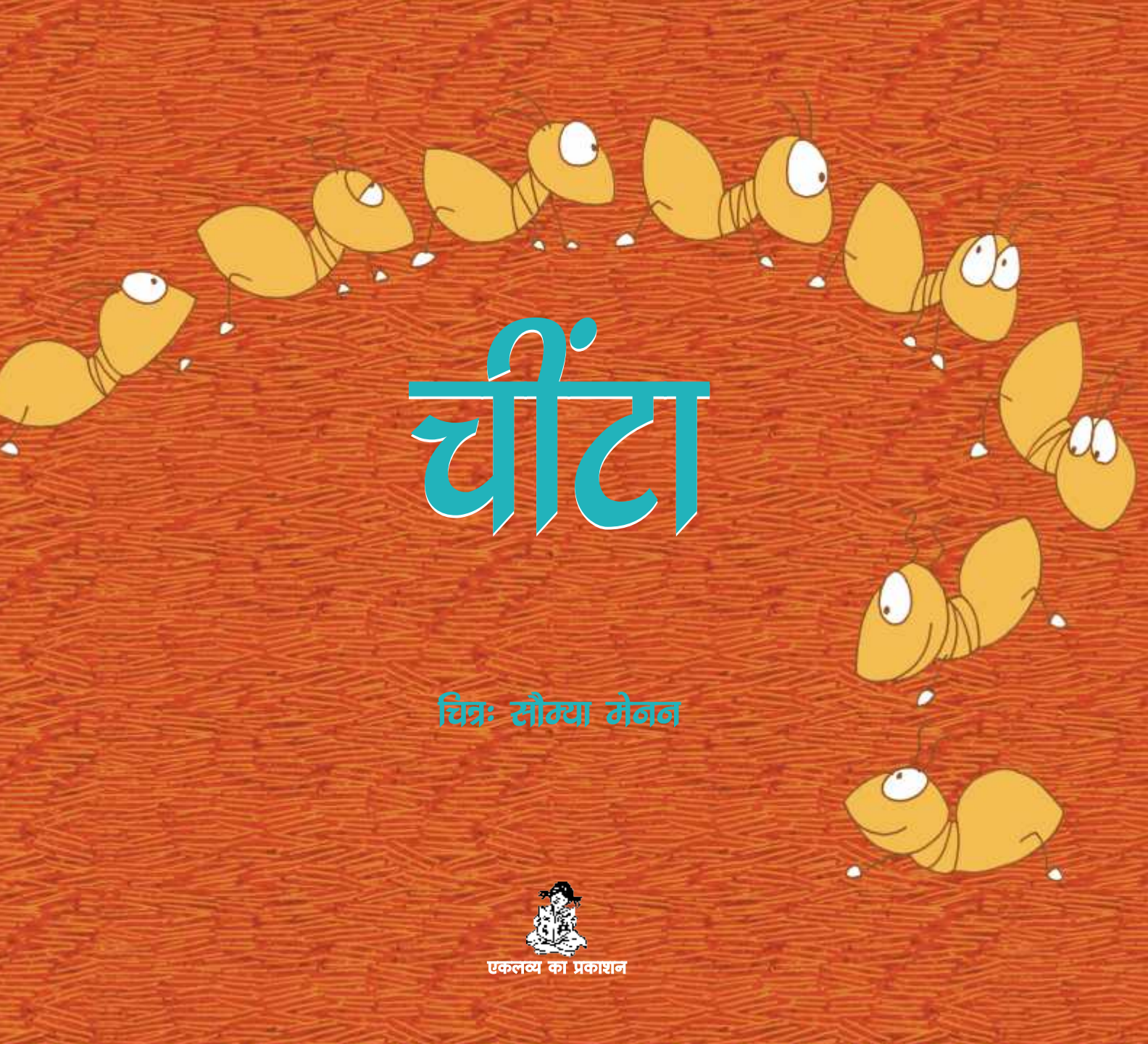

चींटा

चित्रः सौम्या मेनन

एकलव्य का प्रकाशन

चींटा

कविताः एकलव्य के प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम समूह द्वारा संकलित
चित्रः सौम्या मेनन

एकलव्य का प्रकाशन

चींटा-चींटा दूध ला,
दूध लाकर दही जमा,
बढ़िया-बढ़िया दही जमा,
खट्टा-मीठा दही जमा।

चींटा-चींटा गन्ना ला,
गन्ना लाकर शक्कर बना,
चींटी भूखी आएगी,
झटपट वो खा जाएगी।

चींटा-चींटा शक्कर ला,
शक्कर लाकर शरबत बना,
चींटी प्यासी आएगी,
झटपट वो पी जाएगी।

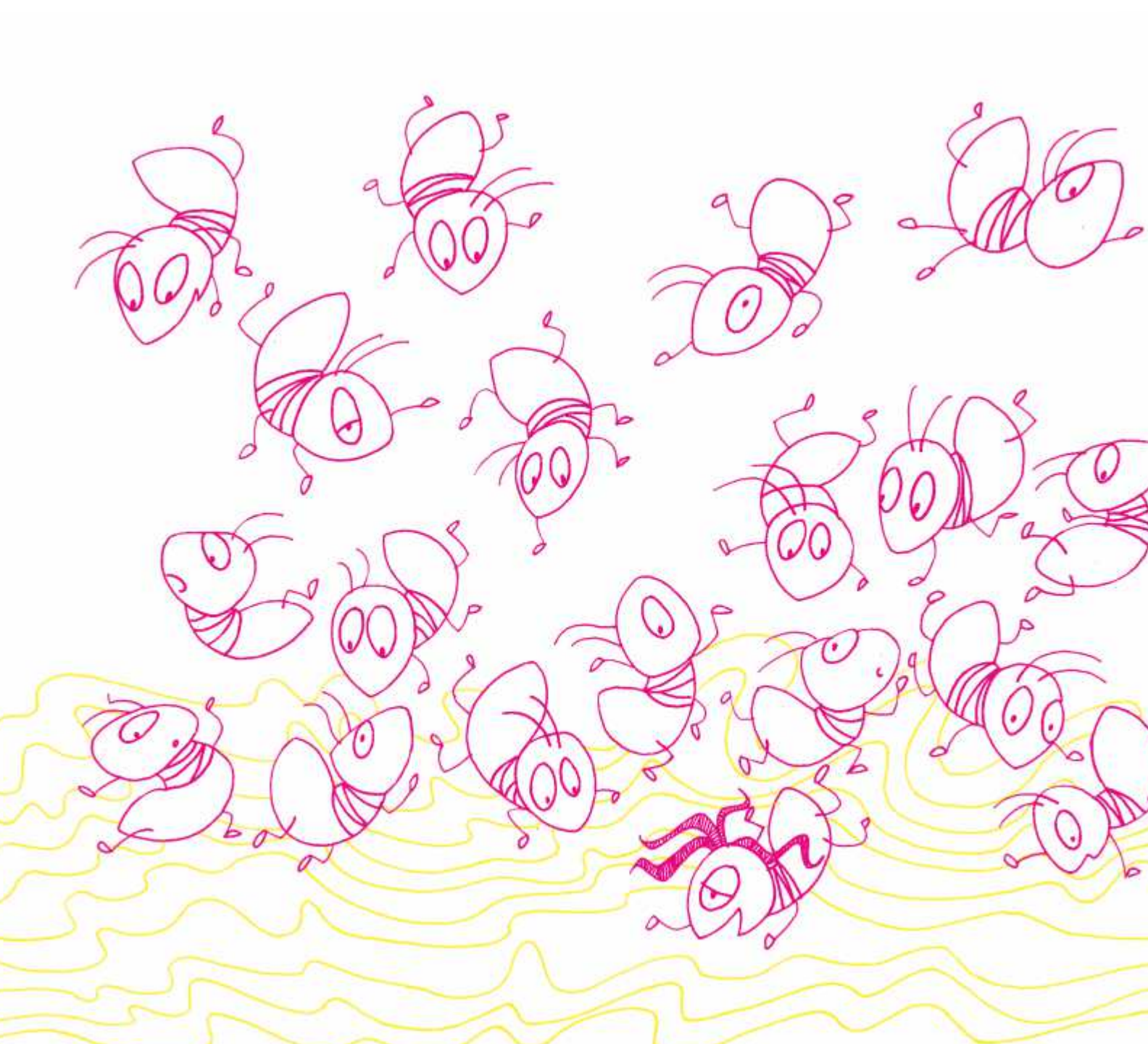

चींटा-चींटा घर बना,
चींटी धूप से आएगी,
देख के खुश हो जाएगी,
झट-से वो रूक जाएगी।

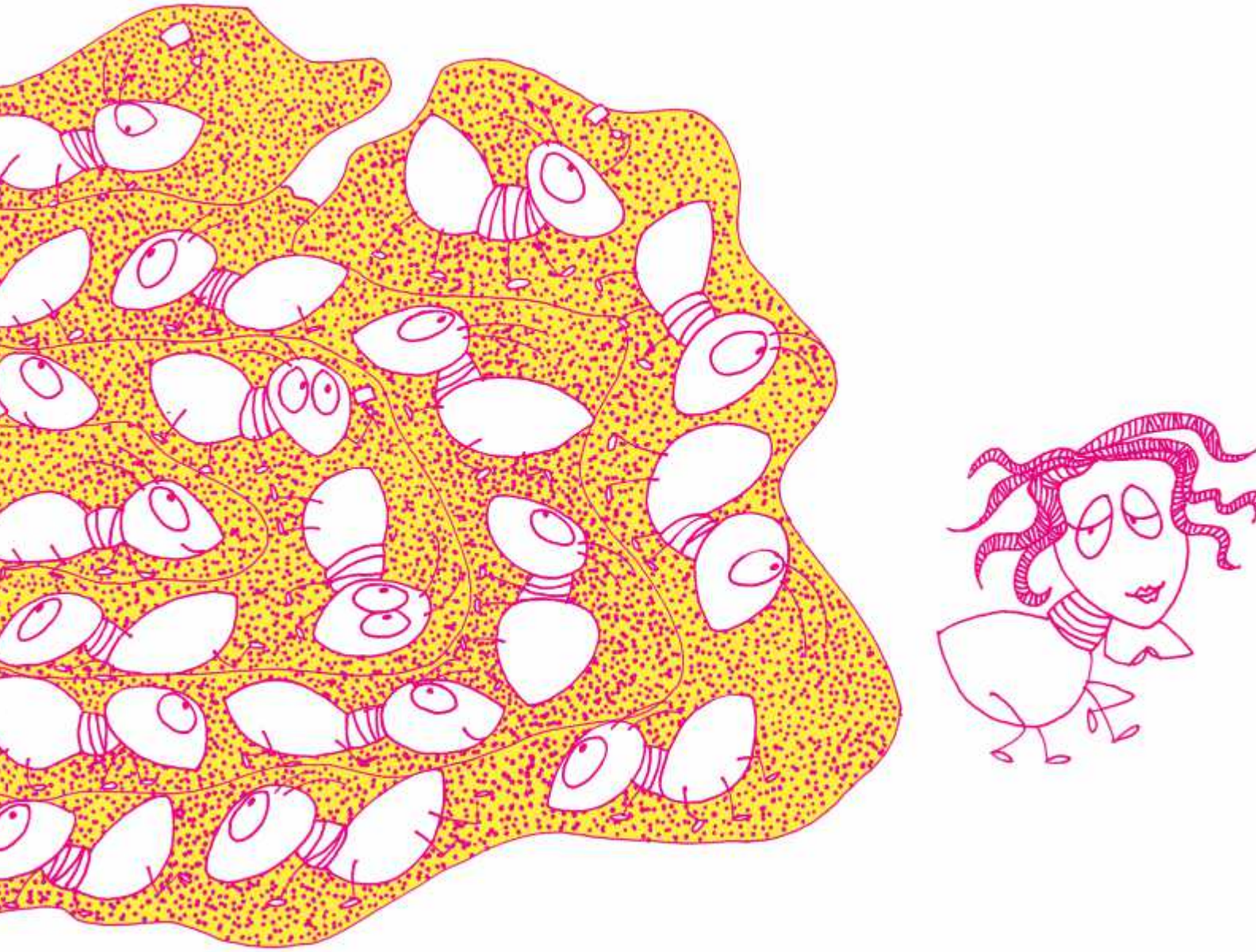

चींटा-चींटा बाज़ार जा,
शक्कर ला, चावल ला,
रोटी ला, पानी ला,
झटपट जा, झटपट आ।

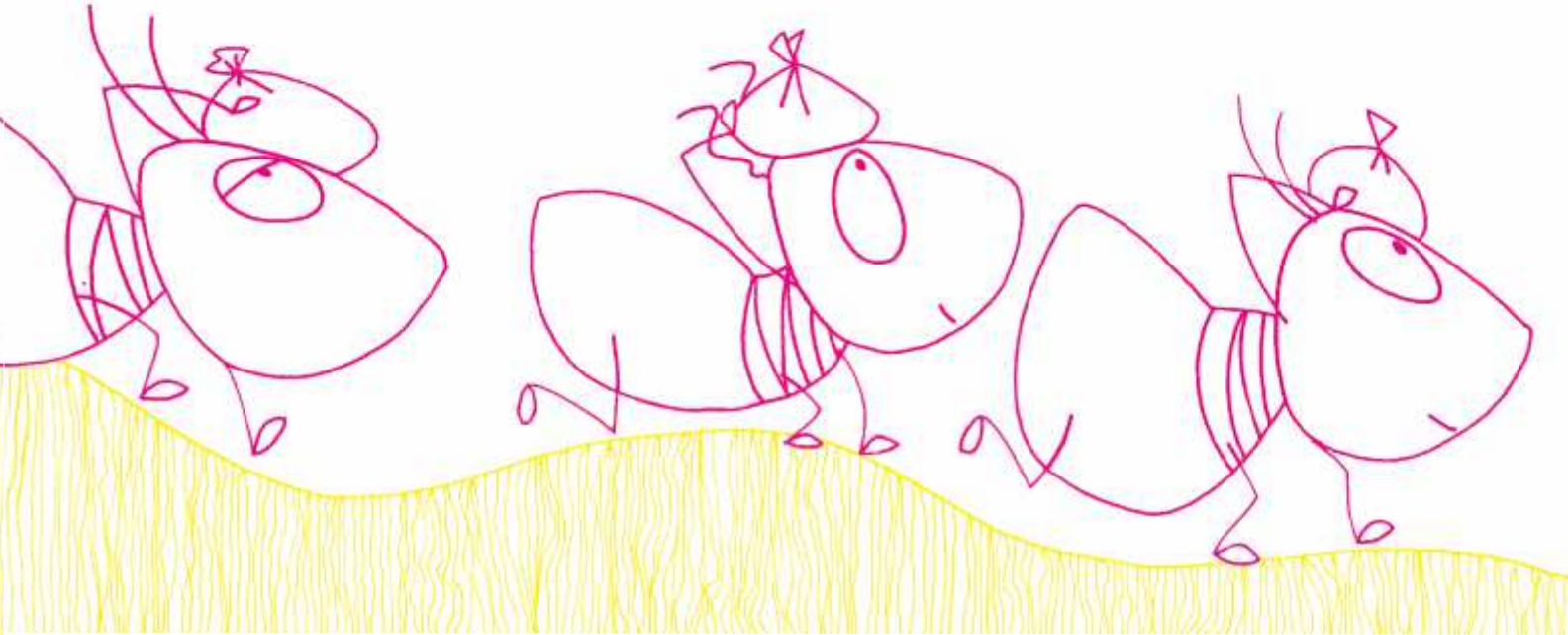

चींटी जब घर आएगी,
देख के खुश हो जाएगी,
तेरे ही गुण गाएगी,
तेरे ही गुण गाएगी।

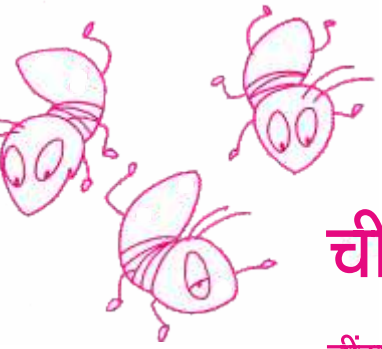

चींटा

चींटा-चींटा दूध ला,
दूध लाकर दही जमा,
बढ़िया-बढ़िया दही जमा,
खट्टा-मीठा दही जमा।

चींटा-चींटा गन्ना ला,
गन्ना लाकर शक्कर बना,
चींटी भूखी आएगी,
झटपट वो खा जाएगी।

चींटा-चींटा शक्कर ला,
शक्कर लाकर शरबत बना,
चींटी प्यासी आएगी,
झटपट वो पी जाएगी।

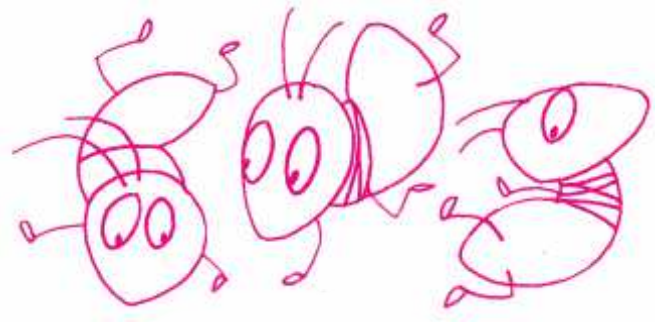

चींटा-चींटा घर बना,
चींटी धूप से आएगी,
देख के खुश हो जाएगी,
झट-से वो रुक जाएगी।

चींटा-चींटा बाज़ार जा,
शक्कर ला, चावल ला,
रोटी ला, पानी ला,
झटपट जा, झटपट आ।

चींटी जब घर आएगी,
देख के खुश हो जाएगी,
तेरे ही गुण गाएगी,
तेरे ही गुण गाएगी।

चींटा

CHEENTA

कविताः एकलव्य के प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम समूह द्वारा संकलित

चित्रः सौम्या मेनन

©सौम्या मेनन व एकलव्य

इस किताब की सामग्री का गैर-व्यावसायिक शैक्षिक उद्देश्यों के लिए मुफ्त वितरण हेतु इसी प्रकार के कॉपीलेफ्ट चिह्न के तहत उपयोग किया जा सकता है। स्रोत के रूप में इस किताब का ज़िक्र अवश्य करें तथा एकलव्य को सूचित करें। किसी भी अन्य प्रकार के उपयोग की अनुमति के लिए एकलव्य से सम्पर्क करें।

दिसम्बर 2013 / 5000 प्रतियाँ

कागज़ः 100 gsm मेपलिथो व 220 gsm पेपर बोर्ड (कवर)

ISBN: 978-93-81300-90-9

मूल्यः ₹ 30.00

पराग इनिशिएटिव, सर रतन टाटा ट्रस्ट व नवजबाई रतन टाटा ट्रस्ट, मुम्बई के वित्तीय सहयोग से विकसित

प्रकाशकः **एकलव्य**

ई-10, शंकर नगर बी.डी.ए. कॉलोनी,

शिवाजी नगर, भोपाल - 462 016 (म.प्र.)

फोनः (0755) 255 0976, 267 1017

www.eklavya.in / books@eklavya.in

मुद्रकः आर. के. सिक्युप्रिंट प्रा. लि., भोपाल, फोनः (0755) 268 7589

इस किताब में उपयोग किया गया कागज़ नवीकरणीय बागानों से प्राप्त लकड़ी से बना है।

सौम्या मेनन

नैशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिज़ाइन, अहमदाबाद से एनिमेशन फिल्म डिज़ाइन की पढ़ाई। किताबें पढ़ना बेहद प्रिय, साथ ही लेखन व चित्र बनाने का भी शौक। बच्चों के साथ काम करने का मज़ा ले रही हैं।

चींटा

चींटा बना रहा है घर, जा रहा है बाज़ार, ला रहा है गन्ना और कर रहा है बहुत कुछ। यह सब किया जा रहा है चींटी के लिए।

क्या चींटी खुश होगी?

एकलव्य

मूल्य: ₹ 30.00

AI225H

ISBN: 978-93-81300-90-9

9 789381 300909

प्रथम SRTT & NRTT के वित्तीय सहयोग से विकसित